दिव्य सूक्त ~ प्रयत्नहीन प्रयत्न

अपने जीवन के हर छोटे से छोटे पहलू को
ध्यान से देखो
और प्रेम की ओर
शालीनता से बढ़ने के लिए
दृढ़, सशक्त, क़दम उठाओ।

~ गुरुमाई चिद्विलासानन्द

संस्कृत भाषा में 'दिव्य' का अर्थ होता है दैवी या ईश्वरीय, और 'सूक्त' का अर्थ है, वह कथन जो सर्वोच्च सत्य को उजागर करता है। दिव्य सूक्त : ईश्वर के विषय में सिखावनियाँ।

© २०१६ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।